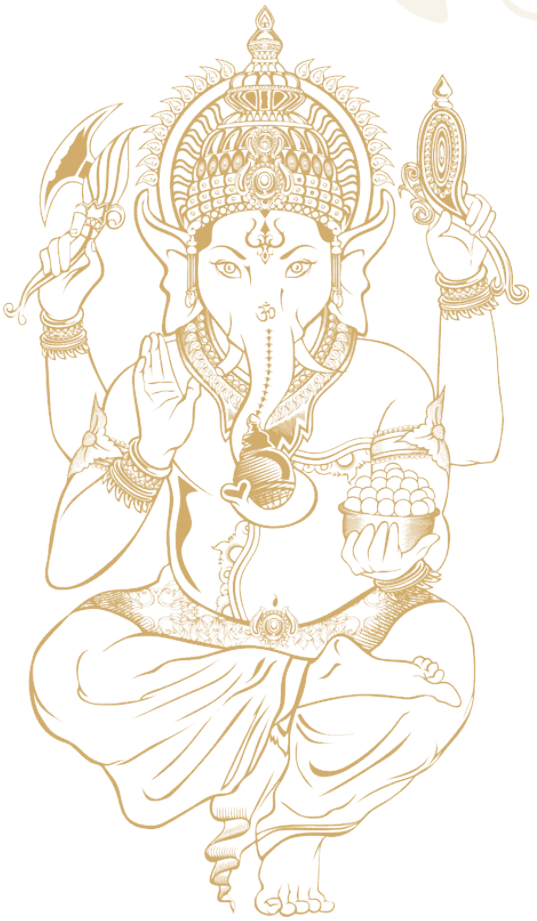

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121772003

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
7-08/04/1984 :	जन्म तिथि	: 09/05/1983
शनि-रविवार :	दिन	: सोमवार
घंटे 00:35:00 :	जन्म समय	: 07:25:00 घंटे
घटी 47:14:20 :	जन्म समय(घटी)	: 05:28:57 घटी
India :	देश	: India
Gorakhpur :	स्थान	: Gorakhpur
26:45:00 उत्तर :	अक्षांश	: 26:45:00 उत्तर
83:23:00 पूर्व :	रेखांश	: 83:23:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे 00:03:32 :	स्थानिक संस्कार	: 00:03:32 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
05:41:16 :	सूर्योदय	: 05:13:25
18:16:53 :	सूर्यास्त	: 18:32:53
23:37:58 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:37:10

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
राहु 17वर्ष 7मा 3दि		18:52:55	धनु	लग्न	वृष	28:02:10	शनि 11वर्ष 11मा 1दि	
शनि		24:30:45	मीन	सूर्य	मेष	24:16:26	शुक्र	
10/11/2017		06:58:07	मिथु	चंद्र	मीन	08:18:05	10/04/2019	
10/11/2036		04:40:57	वृश्चि व	मंगल	वृष	00:48:29	10/04/2039	
शनि	13/11/2020	12:09:38	मेष	बुध व	मेष	29:49:08	शुक्र	09/08/2022
बुध	24/07/2023	18:34:51	धनु	गुरु व	वृश्चि	14:44:18	सूर्य	10/08/2023
केतु	01/09/2024	06:18:32	मीन	शुक्र	मिथु	05:57:26	चन्द्र	09/04/2025
शुक्र	01/11/2027	21:16:15	तुला व	शनि व	तुला	06:13:08	मंगल	09/06/2026
सूर्य	13/10/2028	14:02:07	वृष	राहु व	मिथु	02:06:12	राहु	09/06/2029
चन्द्र	15/05/2030	14:02:07	वृश्चि	केतु व	धनु	02:06:12	गुरु	08/02/2032
मंगल	24/06/2031	19:45:01	वृश्चि व	हर्ष व	वृश्चि	14:17:39	शनि	10/04/2035
राहु	30/04/2034	07:47:02	धनु व	नेप व	धनु	05:14:30	बुध	08/02/2038
गुरु	10/11/2036	07:28:38	तुला व	प्लूटो व	तुला	03:58:02	केतु	10/04/2039

लग्न-चलित

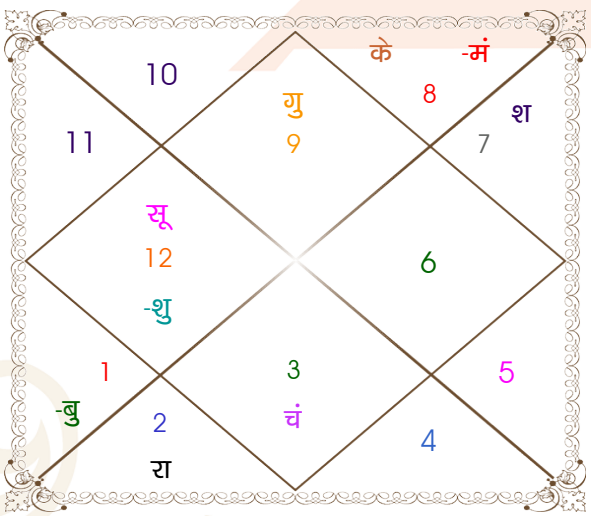

लग्न-चलित

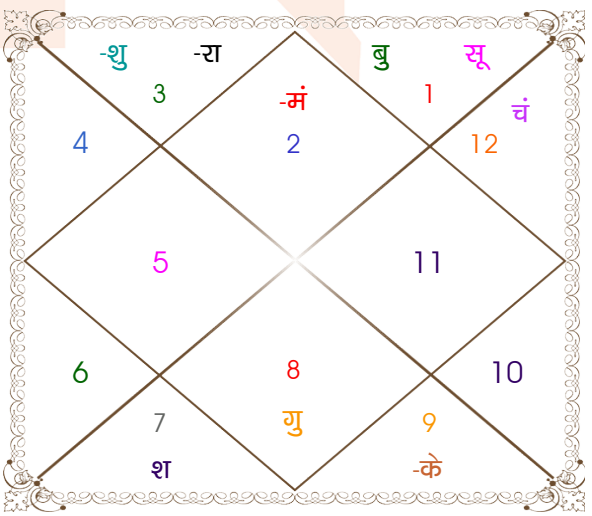

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	श्वान	गौ	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	गुरु	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	मीन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

Mr. का वर्ग मार्जार है तथा Ms. का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Mr. कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ms. कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr. कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।